



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 214]
No. 214]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 17, 2008/ज्येष्ठ 27, 1930
NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 17, 2008/JYAJSTHA 27, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क प्रशासितालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 जून, 2008

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : चीन जन. गण., हांगकांग तथा चीनी ताइपेई से डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क-रिकार्डेबल (डीवीडी-आर तथा डीवीडी-आर डब्ल्यू) के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच।

सं. 14/17/2007-डीवीएडी.—वर्ष 1995 में ब्याससंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाठित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्वारा नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए:

2. यतः ऑप्टिकल डिस्क मैनुफैक्चरर्स ऐसोसिएशन (ओडीएमएफए), नई दिल्ली (जिसे आगे आवेदक कहा गया है) ने वर्ष 1995 में ब्याससंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाठित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्वारा नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) को समस्त एक आवेदन दायर किया जिसमें चीन जन. गण., हांगकांग तथा चीनी ताइपेई (जिन्हें आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहाँ से निर्यातित डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क-रिकार्डेबल (डीवीडी-आर तथा डीवीडी-आरडब्ल्यू) (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क वसूल करने के लिए पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया गया है। नियम 5(5) के अनुसार पूर्णतः प्रलेखित याचिका की प्राप्ति के बारे में संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित किया गया था।

3. प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा धरेलु उद्योग की ओर से प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और उसके प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की उस राशि का निर्धारण करने के लिए जिसे यदि वसूल किया जाएगा तो वह धरेलु उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, उप-नियम 6 (1) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल के या वहाँ से निर्यातित डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क-रिकार्डेबल (डीवीडी-आर तथा डीवीडी-आरडब्ल्यू) के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 20 नवम्बर, 2007 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया।

क. सामान्य

4. प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त जांच की शुरुआत को अधिसूचित करते हुए सार्वजनिक सूचना जारी करने के बाद इस जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :—

क) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 20.11.2007 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियाँ भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्रों के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और घरेलू उद्योग को भेजी और उनसे जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया:

ख) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियाँ ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों को उपलब्ध कराई:

ग) भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को नियम 6(2) के अनुसार जांच शुरुआत के बारे में सूचित किया गया और उनसे यह अनुरोध किया गया कि वे अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति निर्यातकों के नाम और पत्रों के साथ उनके पास भी भेजी गई थी:

घ) संगत सूचना माँगने के लिए प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियाँ भेजी। प्राधिकारी ने चीन, जन. गण. के निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने से संबंधित प्रश्नावली भी भेजी:

ङ) पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के व्यौरों की व्यवस्था करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से अनुरोध किया गया था और डीजीसीआई एंड एस से प्राप्त आंकड़ों पर इन जांच परिणामों में भरोसा किया गया है:

च) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा और यह फाइल हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुली रखी:

छ) आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की ईष्टतम लागत तथा उसे बनाने और बेचने की लागत निकाली गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा:

ज) यह जाँच 1 अप्रैल, 2006 से 30 जून, 2007 की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में रुझानों की जांच में अप्रैल, 2003-मार्च, 2004, अप्रैल, 2004-मार्च, 2005, अप्रैल, 2005-मार्च, 2006 तथा जांच अवधि शामिल थी।

झ) घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के संबंध में उनके गोपनीयता के दावों की जांच की गई है। लागत, ग्राहकों, कीमतों से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय माना गया है। जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु की मात्रा से संबंधित सूचना को गोपनीय नहीं माना गया है।

ञ) *** यह चिह्न इस अधिसूचना में आवेदक द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार इसे गोपनीय ही माना है।

ट) उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में संबद्ध देशों के किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है।

ठ) हांगकांग सरकार विशेष प्रशासनिक प्रभाग (एचकेएसएसएस्सी) ने सूचना प्रस्तुत की। इन जांच परिणामों में संभव सीमा तक उस सूचना पर मरोसा किया गया है जिसमें मै. एलाइड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मेगनेटिक लि., नई दिल्ली ने आयातक के रूप में सूचना प्रस्तुत की है। इस सूचना पर इन जांच परिणामों में मरोसा किया गया है। जिन अन्य निर्यातकों और आयातकों ने सूचना प्रस्तुत नहीं की है उन्हें असहयोगी निर्यातक और आयातक माना जा रहा है।

ख. विद्याराधीन उत्पाद

5. वर्तमान जांच में विद्याराधीन उत्पाद सभी प्रकार की रिकार्डेबल डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क (डीवीडी) है। डीवीडी के अनेक प्रकार हो सकते हैं यथा डीवीडी-आर, डीवीडी + आर, डीवीडी-आरडब्ल्यू, डीवीडी + आरडब्ल्यू, मिनी डीवीडी-आर, मिनी डीवीडी-आरडब्ल्यू, मिनी डीवीडी + आर, मिनी डीवीडी + आरडब्ल्यू, डीवीडी + आर डीएल, डीवीडी-आर डीएल। एक डीवीडी को एक बार या कई बार रिकार्ड किया जा सकता है।

डिस्क निर्माण एवं विनिर्माण के चरण

डीवीडी-आर और डीवीडी + आर डिस्क का निर्माण

6. डीवीडी-आर और डीवीडी + आर डिस्क एकतरफा या दुतरफा हो सकती हैं। एकतरफा (एसएस) डिस्क में एक तरफ और डमी तरफ रिकार्डिंग होती है जबकि दुतरफा (डीएस) डिस्क में दोनों तरफ रिकार्डिंग होती है। किसी डीवीडी-आर और डीवीडी + आर की रिकार्डिंग साइड अनेक परतों का मेल-जोल होता है।

मास्टरिंग :- ऑप्टिकल डिस्क के लिए एक मास्टर के निर्माण की प्रक्रिया, जिसे "मास्टरिंग" के रूप में जाना जाता है, जहाँ निकिल या धात्विक मास्टर अर्थात् "स्टाम्पर" को अंतिम चरण में तैयार किया जाता है। अनेक ऑप्टिकल डिस्क को परिवर्ती मोल्डिंग प्रक्रिया में मोल्ड के रूप में स्टाम्पर के उपयोग से दोहराया जाता है।

मोल्डिंग :- सर्वप्रथम एक पॉलिकारबोनेट प्लास्टिक सबस्ट्रेट की भूमिका होती है जिसमें डिस्क के अन्दरूनी और बाहरी व्यास तक हल्की स्पाइरल ग्रुव होती है।

डाइकोटर :- इस खण्ड में एक कार्बनिक डाइ रिकार्डिंग परत (एजेडओ) का प्रयोग ब्लैक सबस्ट्रेट पर किया जाता है। यह परत रिकार्डिंग परत के रूप में करती है। डाइ का उपयोग स्पिन कोटिंग द्वारा किया जाता है और धात्विक परतों का उपयोग डीसी स्पटरिंग द्वारा होता है।

स्पटर (धात्विकरण) :- डिस्क पर एक धात्विक परावर्ती परत (सिल्वर) का उपयोग किया जाता है।

बॉन्डिंग :- अंतिम डिस्क में दो रिकार्डिंग साइडों (दोतरफा के लिए) या एक रिकार्डिंग तथा डमी साइड (एकतरफा के लिए) को जोड़ने हेतु यह एक आसंजक होता है। कुछेक एकतरफा डिस्क को अलंकरणों या अतिरिक्त परतों से डमी साइड में भी चस्पा कर दिया जाता है जिससे इंकजेट द्वारा लेबलिंग, थर्मल

ट्रांसफर या रिट्रांसफर प्रिंटरों द्वारा उपयुक्त स्थान उपलब्ध होता है। बांडिंग तप्त धातु, यूवी केसियोनिक या फ्री रेडिकल प्रक्रिया के उपयोग से की जाती है।

प्रिंटिंग : इसके बाद अपेक्षित प्रिंटिंग डिजाइन का उपयोग स्क्रीन प्रिंटिंग पद्धति द्वारा किया जाता है।

डीवीडी-आरडब्ल्यू तथा डीवीडी + आरडब्ल्यू का निर्माण : न केवल लेखन अपितु कई बार पुनर्लेखन हेतु सूचना की उपलब्धता के लिए डीवीडी-आरडब्ल्यू, डीवीडी + आरडब्ल्यू डिस्क का निर्माण डीवीडी-आर और डीवीडी + आर (रिकार्डबल) की तुलना में जटिल होता है। एक रिकार्डबल डिस्क के समान एक पुनर्लेख योग्य डिस्क एकतरफा या दोतरफा हो सकती है। एक पुनर्लेखन योग्य डिस्क की रिकार्डिंग साइड में भी डिस्क के आंतरिक और बाह्य व्यास तक एक हल्के स्पाइरल ग्रुव वाला पोलिकारबोनेट प्लास्टिक सबस्ट्रेट की कई परतों का इस्तेमाल किया जाता है।

7. अगले चरण में डाइइलेक्ट्रिक परत (जिक सल्फाइड तथा सिलिकॉन डाइऑक्साइड) का उपयोग किया जाता है जिसके बाद फेज-चेंज अलॉय रिकार्डिंग परत (इंडियम, सिल्वर, टेल्यूरियम तथा एंटीमनी या जर्मेनियम, टेल्यूरियम तथा एंटीमनी में से किसी एक), एक अन्य डाइइलेक्ट्रिक परत तथा एक धात्विक परावर्ती परत (सिल्वर, सिल्वर एलॉय, एल्यूमीनियम) का उपयोग किया जाता है। डाइइलेक्ट्रिक परतों के ऊपर या उनके नीचे अतिरिक्त परतों (जर्मेनियम नाइट्राइड, सिल्वर कार्बाइड, सिलिकॉन डाइऑक्साइड, सिलिकॉन नाइट्राइड, जिक सल्फाइड, एंटीमनी टेल्यूराइड तथा अन्य) का भी उपयोग किया जा सकता है।

8. डमी साइड में एक अतिरिक्त धात्विक परत के साथ कई बार एक फ्लैट पॉली कार्बोनेट प्लास्टिक सबस्ट्रेट का उपयोग किया जाता है। तत्पश्चात् एक आसंजक द्वारा दोनों को एकल डिस्क में समाविष्ट कर दिया जाता है।

9. यह उत्पाद आईटीसी (एचएस) तथा सीमाशुल्क वर्गीकरण सं. 8523 के अंतर्गत वर्गीकृत है। संबद्ध वस्तु का आयात निम्नलिखित उपशीर्षों के साथ सीमाशुल्क वर्गीकरण के अध्याय 8523 के अंतर्गत किया जा रहा है।

85232920, 85232950, 85232970, 85234040, 85234050, 85234060, 85234080, 85234090, 85238090, 85235290, 85238050, 85239010, 85239040, 85239050 और 85239090

तथापि उक्त वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और जांच पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

ग. समान वस्तु

10. घरेलू उद्योग द्वारा “डीवीडी” का उत्पादन किया जाता है जो विचाराधीन उत्पाद के समानरूप है। संबद्ध देशों के मूल की या वहाँ से निर्यातित वस्तु तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु भौतिक एवं तकनीकी विशेषताओं, कार्य और उपयोग के अनुसार तुलनीय है। दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। अतः वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क को पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयातित डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क के समान वस्तु माना जा रहा है।

घ. घरेलू उद्योग का आधार और जांच की शुरुआत

11. यह आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से ऑप्टिकल डिस्क मैन्यूफैक्चर्स वेलफेयर एसोसिएशन, नई दिल्ली (ओडीएमए) द्वारा दायर किया गया है। भारत में संबद्ध वस्तु के तीन उत्पादक हैं जो ओडीएमए के भी सदस्य हैं। संबद्ध वस्तु के उत्पादकों में से एक उत्पादक मोजस्वेयर लि. ने समस्त संगत सूचना उपलब्ध करायी है। आवेदक को भारत में संबद्ध वस्तु के 100% घरेलू उत्पादन करने वाले उत्पादकों का समर्थन प्राप्त है अतः उसने आवेदन दायर करने की इच्छा जताई है। इसके अलावा, मोजस्वेयर जिसने समस्त सूचना उपलब्ध करायी है, का उत्पादन भारतीय उत्पादन के 80% से अधिक बनता है और इसलिए वह नियमों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है।

हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोध

हांगकांग सरकार के विशेष प्रशासनिक प्रभाग (एचकेएसएआरजी) द्वारा किए गए अनुरोध

12. हांगकांग के किसी भी निर्यातक ने जांच का उत्तर नहीं दिया है। तथापि, हांगकांग विशेष प्रशासनिक प्रभाग (एचकेएसएआरजी) ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं।

13. याचिका में उल्लिखित निर्यातकों के नाम गलत हैं। यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत को डीवीडी-आर का निर्यात करने वाले हांगकांग के वास्तविक उत्पादकों की मौजूदगी पर भी सवाल उठाया जाता है। एचकेएसएआरजी ने यह विवाद उठाया है कि “हांगकांग के उत्पादकों ने अपेक्स टेबल (अनुबंध 1.5) में सूचीबद्ध खेप का भारत को वास्तव में निर्यात किया है”। तथापि, एचकेएसएआरजी ने सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के संबंध में ऑप्टिकल डिस्क मैन्यूफैक्चरिंग एंड टेक्नोलॉजी एसोसिएशन (ओडीएमटीए) से प्राप्त सूचना उपलब्ध कराई है, जो हांगकांग डीवीडी-आर उद्योग द्वारा भारत के बाजार को प्रस्तावित कीमत से भिन्न है। यह भी उल्लेख किया गया है कि हांगकांग के डीवीडी उद्योग से एकत्र सूचना का प्रस्तुतीकरण हेतु ओडीएमटीए द्वारा विधिवत सत्यापन कराया गया है। आगे यह उल्लेख किया गया है कि अनुरोध दायर करने का उद्देश्य यह है कि प्राधिकारी को सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु हांगकांग में लागत एवं कीमत से संबंधित भरोसेमंद एवं सही सूचना उपलब्ध करायी जा सके।

14. हांगकांग में पॉलीकार्बोनेट की औसत कच्ची सामग्री की लागत आरोपित लागत से 37% कम है जैसा कि याचिका दस्तावेज में निर्धारित की गई है। हांगकांग में कार्बोनेट की लागत तीनों अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम होनी चाहिए जो याचिकाकर्ता के उस आरोप के प्रतिकूल है कि यह लागत हांगकांग में सर्वाधिक है।

15. यह बताया गया है कि उन्हें यह समझाया गया है कि अनुबंध 1.5 में उल्लिखित आयात के आंकड़ों में “ग्रेड बी” उत्पादों को शामिल किए जाने की अत्यधिक संभावना है जो कि ऐसी डीवीडी-आर हैं जिन्हें गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया के दौरान अस्वीकृत किया जा रहा है और इस प्रकार उनकी कीमत सामान्य उत्पादों से पर्याप्ततः कम है। इस प्रकार के अस्वीकृत या घटिया वस्तुओं को अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों को पूरा करने वाली डीवीडी-आर का समान उत्पाद नहीं माना जा सकता और इसलिए इस पर अलग से कार्यवाही की जानी चाहिए। आवश्यक हो तो ओडीएमटीए द्वारा घटिया ग्रेड बी उत्पादों का अलग से सामान्य मूल्य उपलब्ध कराया जा सकता है जो सामान्य डीवीडी-आर उत्पादों के सामान्य मूल्य से काफी कम होगा। यह बताया गया है कि ओडीएमटीए की ओर से वह यह मानते हैं कि क्रेता

द्वारा काफी अधिक मात्रा में खरीद किए जाने की स्थिति में कीमत में कुछ छूट देने की संभावना बन सकती है। यह व्यापार की सामान्य प्रक्रिया है और इसे किसी भेदभाव के बिना निर्यात और आयात बिक्री दोनों पर लागू किया जाता है।

16. घरेलू उद्योग ने क्षमता उपयोग, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, रोजगार, मजदूरी आदि सहित प्रत्येक क्षेत्र में सुधार किया है केवल लाभ को छोड़कर। यह बात दोहरायी गयी है कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि और उससे पूर्ववर्ती वर्षों में बेहतर सुधार किया है और यह क्षति का कोई निर्णायक साक्ष्य नहीं है। मोजरबेयर भारतीय बाजार में एक ऑप्टिकल मीडिया मैन्यूफैक्चरर का सदस्य है और विश्व के शीर्षस्थ तीन मीडिया विनिर्माताओं में मोजरबेयर को घाटा उठाने के बजाय अच्छा लाभ प्राप्त हो रहा है।

17. पाटन होने की असंभावित स्थिति में हांगकांग से हुए आयातों द्वारा आरोपित क्षति नहीं हो सकती है। किसी आरोपित क्षति का वास्तविक कारण यदि ऐसा घटित हुआ है, भारत तथा विश्व में कहीं भी डीवीडी-आर की गिरती हुई कीमत होगा जिसकी वजह वैश्विक आधार पर घटती हुई कीमतें हैं।

18. यह अनुरोध किया गया है कि प्रस्तुतीकरण के बाद अभिज्ञात हांगकांग के किसी भी निर्यातक और एचकेएसएआरजी तथा ओडीएमटीए सहित अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रश्नावली पूरी करने और आगे अभ्यावेदन प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाए।

मै. एलाइड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैग्नेटिक लि. (आयातक) का उत्तर

19. अंतर्राष्ट्रीय रूप से और भारत में भी (केवल एक विनिर्माता) इस उत्पाद के कुछेक बड़े विनिर्माताओं द्वारा अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय बाजार में इस उत्पाद की व्यावहारिक रूप से कम कीमत पर बिक्री की जा रही है क्योंकि उन्हें उत्पादन मात्रा का लाभ प्राप्त है।

20. एमकेट द्वारा याचिका में उल्लिखित कीमत से उच्चतर औसत कीमत पर डीवीडी-आर का आयात किया जा रहा है।

21. कुछेक आयातकों द्वारा प्रचलित पद्धतियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कीमत से कम कीमत पर उत्पाद का आयात किया जा सकता है। किन्तु किसी कम मूल्यांकन की स्थिति में उसका निर्धारण करना सीमाशुल्क विभाग का अधिकार क्षेत्र होता है। सीमाशुल्क विभाग के पास यह अधिकार है कि उस स्थिति में जुर्माना/अतिरिक्त शुल्क को लागू करे जहाँ वह यह महसूस करता है कि कीमतें न्यायोचित रूप से कम हैं।

22. डीवीडी आर ताइवान या हांगकांग या अमरीका जैसे बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों में 12 अमरीकी सेंट से 16 अमरीकी सेंट तक की कीमत पर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में खुले रूप में उपलब्ध हैं। कीमत संबंधी सूचना सार्वजनिक रूप से उत्स्वर्ध है और इसे इंटरनेट आदि पर आसानी से प्राप्त किया जा सकता है।

23. भारत में डीवीडी आर का एकमात्र प्रमुख विनिर्माता है जिसका बाजार हिस्सा 90% से अधिक है और इस प्रकार यह कहना सही नहीं है कि भारत में कीमत स्तर उत्पादन लागत तथा बाजारी स्थिति के यथोचित अनुपात में है।

24. जांचाधीन देशों से भिन्न देशों से आयात की कीमतें अधिक हैं क्योंकि इन देशों से होने वाले आयातों में जेवल केस, 10 पीके आदि अलग-अलग पैकेजों में डीवीडी आर भी शामिल होती हैं।

25. याचिका में डीवीडी-आरडब्ल्यू तथा मिनी डीवीडी-आरडब्ल्यू के बारे में अलग से कोई आंकड़ा/लागत संबंधी ब्यौरा/कीमत सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है।

26. याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में डीवीडी आरडब्ल्यू तथा मिनी डीवीडी आरडब्ल्यू के पाटन का ऐसा कोई प्रथम दृष्टया साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है जिससे इस बात की पुष्टि हो सके कि घरेलू उद्योग को क्षति हो सके। याचिकाकर्ता द्वारा आयात आंकड़ों, कीमत, पाटन, मार्जिन तथा उत्पादन क्षमता आदि जैसे प्रस्तुत सभी आंकड़े डीवीडी आर से संबंधित हैं।

27. जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में यह उल्लेख किया गया है कि भारत में संबद्ध वस्तु के तीन उत्पादक- मै. मोजरबेयर, मै. यूरो मल्टीविजन तथा मै. कम्प्यूटर रिकल हैं। जहाँ तक डीवीडी आरडब्ल्यू का संबंध है, यह सही नहीं है।

28. क्षति एवं कारणात्मक संबंध की पुष्टि करने हेतु आवेदक द्वारा अपने आवेदन में दिए गए समस्त तर्क केवल डीवीडी आर के लिए पाटित आयातों की मात्रा और मूल्य पर आधारित है। अतः पाटनरोधी जांच हेतु डीवीडी आर डब्ल्यू तथा मिनी डीवीडी आरडब्ल्यू को शामिल करना न्यायोचित नहीं है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

29. प्राधिकारी ने एचकेएसएआरजी तथा एमकेट के तर्कों को नोट किया है। एचकेएसएआरजी ने किसी समर्थकारी साक्ष्य के बिना उत्पादन की अनुमानित लागत उपलब्ध कराई है। तथापि, प्राधिकारी ने कच्ची सामग्री की कीमत के संबंध में सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध आंकड़ों पर भरोसा किया है। उपयोगिताओं के संबंध में एचकेएसएआरजी द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर भरोसा किया गया है। एचकेएसएआरजी द्वारा उपलब्ध कराई गई अन्य सूचना पर तभी भरोसा किया जाएगा जब उसे लेखा बहियों से संबद्ध वस्तु के वास्तविक विनिर्माताओं से सत्यापन हेतु प्रस्तुत किया जाएगा।

30. जहाँ तक घरेलू उद्योग को हुई क्षति से संबंधित अनुरोधों का प्रश्न है प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के विश्लेषण हेतु घरेलू उद्योग के सत्यापित आंकड़ों पर भरोसा किया है।

ड. पाटन मार्जिन की संगणना हेतु कार्य प्रणाली

ड.1 सामान्य मूल्य

चीन जन. गण. के असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

31. चीन जन. गण. के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है और उन्होंने सामान्य मूल्य तथा बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के बारे में कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। नियमों के अनुबंध 1 के पैरा 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का अनुमान अखण्डित रहता है। अतः प्राधिकारी ने “किसी अन्य यथोचित आधार पर” की पद्धति का उपयोग करते हुए अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का परिकलन किया है। इस प्रयोजनार्थ वर्ल्ड ट्रेड एटलस से ली गई प्रमुख कच्ची सामग्री, पॉलीकार्बोनेट की कीमत को चीन जन. गण. से औसत निर्यात कीमत

के रूप में माना गया है । अन्य कच्ची सामग्री की कीमत, कच्ची सामग्री हेतु खपत मानदण्डों, उपयोगिताओं और परिवर्तन लागत को भारत में घरेलू उद्योग के अनुसार लिया गया है । इसके लिए लागत तथा 5% के लाभ को सामान्य मूल्य के परिकलन में जोड़ा गया है । इस कार्य प्रणाली द्वारा चीन जन. गण. हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

मूल्य प्रति "000 नग अम. डा. में

सामान्य मूल्य	केक बॉक्स	बीओएस
डीवीडी-आर	***	***
डीवीडी-आरडब्ल्यू		***

हांगकांग के असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

32. हांगकांग के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है और उन्होंने सामान्य मूल्य तथा बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के बारे में कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है । निर्यातकों की ओर से असहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन किया है । एचकेएसएआरजी ने किसी समर्थकारी दस्तावेजी साक्ष्य के बिना हांगकांग में उत्पादन की लागत हेतु सूचना उपलब्ध कराई है । उपलब्ध कराई गई सूचना से प्राधिकारी ने उपयोगिता के संबंध में कीमतों पर भरोसा किया है । वर्ल्ड ट्रेड एटलस से ली गई प्रमुख कच्ची सामग्री, पॉलीकार्बोनेट की कीमत को हांगकांग से औसत निर्यात कीमत के रूप में माना गया है । अन्य कच्ची सामग्री की कीमत, कच्ची सामग्री हेतु खपत मानदण्डों, उपयोगिताओं और परिवर्तन लागत को भारत में घरेलू उद्योग के अनुसार लिया गया है । इसके लिए लागत तथा 5% के लाभ को सामान्य मूल्य के परिकलन में जोड़ा गया है । इस कार्य प्रणाली द्वारा हांगकांग हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

मूल्य प्रति "000 नग अम. डा. में

सामान्य मूल्य	जेवेल केस	केक बॉक्स	बीओएस
डीवीडी-आर		***	***
डीवीडी-आरडब्ल्यू	***		

चीनी ताइपेई के असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

33. चीनी ताइपेई के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है और उन्होंने सामान्य मूल्य तथा बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार के बारे में कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है । निर्यातकों की ओर से असहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का परिकलन किया है । इस प्रयोजनार्थ वर्ल्ड ट्रेड एटलस से ली गई प्रमुख कच्ची सामग्री, पॉलीकार्बोनेट की कीमत को चीनी ताइपेई से औसत निर्यात कीमत के रूप में माना गया है । अन्य कच्ची सामग्री की कीमत, कच्ची सामग्री हेतु खपत मानदण्डों, उपयोगिताओं और परिवर्तन लागत को भारत में घरेलू उद्योग के अनुसार लिया गया है । इसके लिए लागत तथा 5% के लाभ को सामान्य मूल्य के परिकलन में जोड़ा गया है । इस कार्य प्रणाली द्वारा चीनी ताइपेई हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

मूल्य प्रति 1000 नग अम. डा. में

सामान्य मूल्य	जेम्स कोस	केक डॉक्स	बीओएस
डीवीडी-आर	***	***	***
डीवीडी-आरडब्ल्यू	***	***	***

ब.2 निर्यात कीमत

चीन जन. गण. के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

34. चूंकि चीन जन. गण. के किसी भी निर्यातक ने सहयोग नहीं किया है इसलिए निर्यात कीमत का निर्धारण नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीपीसीआई एण्ड एस से प्राप्त सौदेवार आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। यह पाया गया है कि डीवीडी आर तथा डीवीडी आरडब्ल्यू का आयात विभिन्न पैकेजों में किया गया है। डीवीडी आर तथा डीवीडी आर डब्ल्यू के आंकड़ों को अलग-अलग कर अलग-अलग पैकेजिंग हेतु भारत औसत निर्यात कीमत का अलग से निर्धारण किया गया है।

35. कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, पत्तन व्यय (0.25% की दर से) तथा समुद्री भाड़े (0.25% की दर से) के लिए किए गए व्यय को सहायोजित किया गया है। समुद्री भाड़े और समुद्री बीमा के लिए सहयोगी आयातक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर भरोसा किया गया है। इस कार्य प्रणाली द्वारा कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है।

मूल्य प्रति 1000 नग अम. डा. में

कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत	केक डॉक्स	बीओएस
डीवीडी-आर	***	***
डीवीडी-आरडब्ल्यू		***

हांगकांग के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

36. चूंकि हांगकांग के किसी भी निर्यातक ने सहयोग नहीं किया है इसलिए निर्यात कीमत का निर्धारण नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीपीसीआई एण्ड एस से प्राप्त सौदेवार आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। यह पाया गया है कि डीवीडी आर तथा डीवीडी आरडब्ल्यू का आयात विभिन्न पैकेजों में किया गया है। डीवीडी आर तथा डीवीडी आर डब्ल्यू के आंकड़ों को अलग-अलग कर अलग-अलग पैकेजिंग हेतु भारत औसत निर्यात कीमत का अलग से निर्धारण किया गया है।

37. कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, पत्तन व्यय (0.25% की दर से) तथा समुद्री भाड़े (0.25% की दर से) के लिए किए गए व्यय को सहायोजित किया गया है। समुद्री भाड़े और समुद्री बीमा के लिए सहयोगी आयातक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर भरोसा किया गया है। इस कार्य प्रणाली द्वारा कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है।

मूल्य प्रति "000 नग अम. डा. में

कारखाना द्वारा निर्यात कीमत	ज्वेल केस	केक बॉक्स	बीओएस
डीवीडी-आर		***	***
डीवीडी-आरडब्ल्यू	***		

चीनी ताइपेई के सहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

38. चूंकि चीनी ताइपेई के किसी भी निर्यातक ने सहयोग नहीं किया है इसलिए निर्यात कीमत का निर्धारण नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। इस प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीजीसीआई एण्ड एस से प्राप्त सौदेवार आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। यह पाया गया है कि डीवीडी आर तथा डीवीडी आरडब्ल्यू का आयात विभिन्न पैकेजों में किया गया है। डीवीडी आर तथा डीवीडी आर डब्ल्यू के आंकड़ों को अलग-अलग कर अलग-अलग पैकेजिंग हेतु भारत औसत निर्यात कीमत का अलग से निर्धारण किया गया है।

39. कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, पत्तन व्यय (0.25% की दर से) तथा समुद्री भाड़े (0.25% की दर से) के लिए किए गए व्यय को समायोजित किया गया है। समुद्री भाड़े और समुद्री बीमा के लिए सहयोगी आयातक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर भरोसा किया गया है। इस कार्य प्रणाली द्वारा कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है।

मूल्य प्रति "000 नग अम. डा. में

कारखाना द्वारा निर्यात कीमत	ज्वेल केस	केक बॉक्स	बीओएस
डीवीडी-आर	***	***	***
डीवीडी-आरडब्ल्यू	***	***	***

ड.3 पाटन मार्जिन

40. उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित तालिका के अनुसार किया गया है :-

चीन जन. गण.

मूल्य अम. डा. प्रति "000 नग

	डीवीडी आर		डीवीडी आर डब्ल्यू	मार्जिन औसत
	केक बॉक्स	बीओएस	बीओएस	
सामान्य मूल्य	***	***	***	***
निर्यात कीमत	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***	***
पाटन मार्जिन (%)	***	***	***	64.73

हमकर्म

मूल्य अम. अ. प्रति *000 नम

	जर्मनी आर		जर्मनी आर समूह	भारत औद्योगिक
	केक कोयल	सीओएस	जेवेल कोयल	
सामान्य मूल्य	***	***	***	***
निर्यात कीमत	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***	***
पाटन मार्जिन (%)	***	***	***	63.21

चीनी तटस्थ

मूल्य अम. अ. प्रति *000 नम

	जर्मनी आर			जर्मनी आर समूह			भारत औद्योगिक
	जेवेल कोयल	केक कोयल	सीओएस	जेवेल कोयल	केक कोयल	सीओएस	
सामान्य मूल्य	***	***	***	***	***	***	***
निर्यात कीमत	***	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन (%)	***	***	***	***	***	***	63.75

41. इस प्रकार अनंतिम रूप से निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक और न्यूनतम सीमा से ज्यादा है।

घ. क्षति निर्धारण तथा कारणात्मक संबंध की जांच हेतु कार्य प्रणाली

घ.1 क्षति निर्धारण

42. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से समूचे आयातों को पाटित आयात के रूप में माना गया है।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

43. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं :

(क) विद्युतचालित उत्पाद के आयातों में समग्र रूप में और भारत में उत्पादन की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

(ख) प्रस्तावित जांच अवधि के दौरान भी प्रति माह औसत आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

(ग) आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही है। परिणामतः बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में हास हो रहा था।

(घ) यद्यपि इस अवधि के दौरान क्षमता, उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हुई है तथापि इन मापदण्डों में वृद्धि इस उत्पाद हेतु पूर्व रूप में प्रत्याशित माँग में पर्याप्त वृद्धि के परिणामस्वरूप हुई थी। तथापि, घरेलू उद्योग ने बाजार हिस्सा गँवाया है।

(ङ.) आयातों द्वारा पैदा किए गए पर्याप्त कीमत संबंधी दबाव के कारण इस अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है।

(च) इस अवधि के दौरान निवेश पर आय और नकदी प्रवाह में भी पर्याप्त कमी आई है। घरेलू उद्योग ने नकारात्मक आय का सामना किया।

(छ) घरेलू उद्योग की माल सूचियों में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

(ज) पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति केवल बिक्री कीमत में कटौती एकमात्र कारण पर विचार करते हुए हुई है कि आयात कीमत में गिरावट आई है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

44. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त विचार को नोट किया है और अनंतिम क्षति निर्धारण तथा कारणात्मक संबंध के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ इन जांच परिणामों में अनिवार्य कारकों की जांच की है।

च.2 क्षति का संचयी मूल्यांकन

45. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II (iii) में यह अपेक्षित है कि ऐसे मामलों में जहाँ उत्पाद का आयात एक से अधिक देशों से साथ-साथ चल रही पाटनरोधी जांच के अध्यक्षीन है तब निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करेगा यदि यह निर्धारित होता है कि

- (क) अलग-अलग देशों से आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- (ख) अलग-अलग देशों के लिए पाटन मार्जिन 2% से अधिक है; तथा
- (ग) आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन आयातित वस्तु तथा समान घरेलू उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के आलोक में उचित है।

46. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों सहित विभिन्न देशों से पाटित आयात एक ही साथ भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। अतः इन स्रोतों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संचयी मूल्यांकन के मुद्दे की जांच उपर्युक्त मापदण्डों के संबंध में की गई है और यह पाया गया था कि :

- i) संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से अलग-अलग उत्पादों के पाटन का मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- ii) संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से अलग-अलग उत्पादों के आयातों की मात्रा पाटन का मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है;

iii) संबंध देशों से हुए आयातों द्वारा बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती हो रही है।

47. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि इस मामले में क्षति का संघयी निर्धारण उचित है क्योंकि संबंध देशों से हुए अलग-अलग उत्पादों के आयात आपस में और भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान वस्तु के साथ भी सीधी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

घ.2 क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच

48. अनुबंध II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति संबंधी जांच में ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तु के लिए बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए....." घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संकेत मिलता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह आवश्यक समझा जाता है कि इस बात की जांच की जाए कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में पर्याप्त स्तर तक अन्यथा गिरावट आई अथवा उसमें होने वाली उस वृद्धि में गिरावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

49. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच हेतु उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों पर उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध II के अनुसार विचार किया गया।

50. उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा आदि जैसे उपर्युक्त घरेलू उद्योग पर प्रभाव डालने वाले सभी आर्थिक मापदण्डों पर निम्नानुसार विचार किया गया है।

घ.4 पाटित आयातों का मात्रा संबंधी प्रभाव : आयात की मात्रा और बाजार हिस्सा

क) आयात मात्रा

51. डीवीडी का विशेष रूप से आयात सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 8523.40.80 के अंतर्गत किया जाता है। प्राधिकारी को याधिकाकर्ता तथा डीजीसीआई एण्ड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए इम्पैक्स स्टैटिक्स से आयातों के सौदे-वार आंकड़ों से यह पता चलता है कि आयात विभिन्न सीमाशुल्क टैरिफ शीर्षों के अंतर्गत किए गए हैं। विश्लेषण हेतु डीजीसीआई एण्ड एस के आंकड़ों पर भरोसा किया गया है।

52. जहाँ तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

53. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीजीसीआई एण्ड एस से प्राप्त सौदे-वार आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। जांच की शुरुआत के समय इम्पैक्स स्टैटिक्स से आवेदक द्वारा प्राप्त आंकड़े उपलब्ध कराए गए थे जिन पर भरोसा किया गया था। डीजीसीआई एण्ड एस से आंकड़े प्राप्त होने के बाद यह देखा गया था कि आयात इम्पैक्स स्टैटिक्स में सूचित आयातों की मात्रा से काफी अधिक थे। अतः इस जांच और क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ डीजीसीआई एण्ड एस से प्राप्त आंकड़ों

पर भरोसा किया गया है। आंकड़ों से यह देखा गया है कि आयातों में डीवीडी-आर के आयातों की प्रचुर मात्रा है। यह भी देखा गया है कि आयात विभिन्न पैकिंग अर्थात् जेवल केस, केक बॉक्स और बीओएस में किए गए थे। तथापि, प्रमुख आयात बीओएस के पैक में किए गए थे।

54. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है :-

आयात मात्रा एवं संबद्ध देश का हिस्सा

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
आयात						
चीन जन. गण.	लाख नग	1.30	8.28	150.94	254.82	203.69
हांगकांग	लाख नग	-	19.22	33.89	80.97	64.77
ताइवान	लाख नग	47.97	100.32	224.77	211.41	169.13
अन्य देश	लाख नग	1.60	6.93	26.14	138.19	110.55
संबद्ध देश	लाख नग	49.27	128.82	409.60	548.99	437.59
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	261	831	888	888
कुल आयात	लाख नग	50.88	135.76	435.74	685.18	548.15
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	267	856	1,077	1,077
आयात में बाजार हिस्सा						
चीन जन. गण.	%	2.56	6.84	34.64	37.16	37.16
हांगकांग	%	-	14.16	7.78	11.82	11.82
ताइवान	%	94.29	73.90	51.58	30.85	30.85
अन्य देश	%	3.15	5.11	6.00	20.17	20.17
संबद्ध देश	%	96.85	94.89	94.00	79.83	79.83
के संबंध में आयात						
उत्पादन	%	7.13	5.11	6.37	4.52	4.52
खपत	%	95.24	70.81	61.35	30.91	30.91

55. आंकड़ों से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से आयात वर्ष 2003-04 में 49.27 लाख से बढ़कर जांच अवधि में 437.59 (वार्षिक) हो गए हैं जिससे आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान आयातों में भारी वृद्धि का पता चलता है। आयात आंकड़ों से यह पता चलता है कि आयातों में मुख्यतः डीवीडी आर शामिल हैं। डीवीडी-आर डब्ल्यू के आयात कुल आयातों के लगभग 5% रहे। यह भी देखा गया है कि डीवीडी के आयात अलग-अलग पैकड रूपों में किए गए थे। तथापि, आयातों में मुख्यतः बल्क पैकेज में डीवीडी शामिल है जो कुल आयातों के 87% थे। अन्य पैकेज जेवल केस और केक बॉक्स के रूप में थे। यह देखा गया है कि आयातों में समग्र रूप में वृद्धि हुई है तथापि उत्पादन और खपत की तुलना में इनमें आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक गिरावट आई है।

ख) मॉग, उत्पादन और बाजार हिस्सा

i) मॉग में वृद्धि

मॉग	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
घरेलू उद्योग	लाख नग	0.86	46.16	212.70	1,061.65	849.32
कुल आयात	लाख नग	50.88	135.76	435.74	685.18	548.15

अन्य भारतीय उत्पादक	लाख नग	-	-	19.17	23.06	18.45
कुल मूल्य	लाख नग	51.74	181.92	667.61	1,769.89	1,415.92

56. संबद्ध वस्तु की माँग का निर्धारण भारतीय उद्योग की घरेलू बिक्री और समस्त देशों से हुए आयातों को जोड़कर किया गया है। आंकड़ों से इस प्रवृत्ति का पता चलता है कि संबद्ध वस्तु की माँग में आधार वर्ष से लेकर जाँच अवधि तक वृद्धि हो रही थी। यह उत्पाद स्वयं हाल का उद्गम है और इस प्रकार उत्पाद की माँग में तेज़ी से वृद्धि हो रही है।

ii) घरेलू उद्योग का उत्पादन

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि	जाँच अवधि वार्षिकीकृत
क्षमता	लाख नग	1,400	4,800	9,885	15,523	12,416.34
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	343	706	887	887
उत्पादन	लाख नग	691	2,521	6,435	12,097	9,677.76
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	365	931	1,400	1,400
क्षमता उपयोग	%	49.38	52.51	65.10	77.93	77.93
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	132	158	158

57. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग में आधार वर्ष से लेकर जाँच अवधि तक वृद्धि हुई है।

iii) घरेलू उद्योग की बिक्री

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि	जाँच अवधि वार्षिकीकृत
घरेलू उद्योग	लाख नग	0.86	46.16	212.70	1,061.65	849.32
निर्यात बिक्री	लाख नग	501.40	2,022.90	5,613.17	9,805.99	7,844.79

58. बिक्री के आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग ने वर्ष 2003-04 के दौरान संबद्ध वस्तु के 0.86 लाख नगों की बिक्री की और जाँच अवधि में यह मात्रा वार्षिक रूप से बढ़कर 849.32 लाख नग हो गई। समूची जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि हो रही है।

iv) माँग और बाजार हिस्सा

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि	जाँच अवधि वार्षिकीकृत
आकलित माँग	लाख नग	51.74	181.92	667.61	1,769.89	1,415.92
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	352	1,290	2,737	2,737
संबद्ध देशों से आयात	लाख नग	49.27	128.82	409.60	546.99	437.59
अन्य देशों से आयात	लाख नग	1.60	6.93	26.14	138.19	110.55
घरेलू उद्योग की बिक्री	लाख नग	0.86	46.16	212.70	1,061.65	849.32
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	लाख नग	-	-	19.17	23.06	18.45

मॉग में बाजार हिस्सा						
संबद्ध देशों से आयात	%	95.24	70.81	61.35	30.91	30.81
अन्य देशों से आयात	%	3.10	3.81	3.92	7.81	7.81
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	1.67	25.37	31.86	59.98	59.98
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	%	-	-	2.87	1.30	1.30
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रु./नग	***	***	***	***	***

59. संबद्ध वस्तु की माँग में वृद्धिकारी प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। आधार वर्ष में 51.74 लाख नगों से बढ़कर माँग जाँच अवधि में 1416 लाख नग (वार्षिक) हो गई है। इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 1.67% से बढ़कर 59.98% हो गया है। यद्यपि संबद्ध देशों का हिस्सा 95% से घटकर 31% हो गया है। इसके अलावा, आयातों के बाजार हिस्से में गिरावट आई है जबकि घरेलू उद्योग के हिस्से में वृद्धि हुई है। यह देखा गया है कि आधार वर्ष से लेकर जाँच अवधि तक घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में तेजी से गिरावट आई है।

(ग) संबद्ध देशों से पाटित आयातों का घरेलू उद्योग पर कीमत संबंधी प्रभाव

(i) विद्याराधीन अवधि की तुलना में कीमत का मूल्यांकन

निर्यात कीमत		2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
संबद्ध देश	रु./नग	5.24	4.70	3.94	4.89
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	90	75	93
बिक्री कीमत	रु./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	33	19	17
पॉलीकार्बोनेट कीमत *	रु./कि.ग्रा.	79.08	87.53	128.55	127.09
कच्चे माल की लागत	रु./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	Indexed	100	85	116	90

60. निर्यात कीमत के आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष से लेकर जाँच अवधि तक संबद्ध देशों की कीमत में गिरावट आई है। वर्ल्ड ट्रेड एटलस के आंकड़ों से यह देखा गया है कि इसी अवधि के दौरान प्रमुख कच्ची सामग्री अर्थात् पॉलीकार्बोनेट की कीमत में संबद्ध देशों में वृद्धि हुई है। यद्यपि यह माना जाता है कि प्रारंभिक चरण होने के कारण वर्ष 2003-04 में कीमतें काफी अधिक थीं तथापि यह देखा जाता है कि कीमतों में वर्ष 2004-05 तथा 2005-06 के बीच भी तेजी से गिरावट आई है। इसके अलावा, जाँच अवधि और पूर्ववर्ती वर्ष के बीच भी कीमतों में पर्याप्त गिरावट आई है।

ii) कीमत कटीती तथा कम कीमत पर बिक्री संबंधी प्रभाव

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
बिक्री कीमत- घरेलू उद्योग					
डीवीडी-आर	रु./नग	***	***	***	***
डीवीडी-आरडब्ल्यू	रु./नग	***	***	***	***
डीवीडी-(आर एण्ड आरडब्ल्यू)	रु./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	33	19	17
पहुँच मूल्य					

डीपीडी-आर	रु./मग	5.70	4.44	3.94	4.80
डीपीडी-आरकम्प्यू	रु./मग	8.42	8.12	4.21	6.52
डीपीडी-(आर एण्ड आरकम्प्यू)	रु./मग	5.71	4.89	3.94	4.89
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	86	69	86
कीमत कटौती					
डीपीडी-आर	रु./मग	***	***	***	***
डीपीडी-आरकम्प्यू	रु./मग	***	***	***	***
डीपीडी-(आर एण्ड आरकम्प्यू)	रु./मग	***	***	***	***
कीमत कटौती					
डीपीडी-आर	%	***	***	***	***
डीपीडी-आरकम्प्यू	%	***	***	***	***
डीपीडी-(आर एण्ड आरकम्प्यू)	%	***	***	***	***
एनआईपी	रु./मग				***
कम कीमत पर बिक्री	रु./मग				***
उत्पादन की लागत	रु./मग	***	***	***	***

61. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास तथा कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारित औसत पद लागत, भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) तथा क्षति रहित कीमत (एमआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से आयात की पहुँच लागत के साथ की गई है।

62. घरेलू उद्योग की भारित निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण करने में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित रिबेट, छूट और कमीशन और भुगतान किया गया केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की क्विट दी गई है।

63. बिक्री कीमत की प्रवृत्ति से यह पता चलता है कि यह वर्ष 2004-05 में 33% से घटकर आचार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में 17% (सूचकांक 100) हो गई।

64. कीमत कटौती का निर्धारण समूची क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के भारित औसत पहुँच मूल्य की तुलना उम्मीद अवधि के लिए घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति के साथ करते हुए किया गया है। इस प्रयोजनार्थ आयातों को डिम्बाबंद रूप और खुले रूप में अलग-अलग किया गया है। आयातों के पहुँच मूल्य की गणना (संगत वर्षों के लिए) 1% हैंडलिंग प्रभार तथा प्रयोज्य मूल सीमाशुल्क को संबद्ध देशों से आयात कीमतों के बारे में डीजीसीआई एण्ड एस के आंकड़ों में सूचित मूल्य में जोड़कर की गई है। जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से भारित औसत कटौती डिम्बाबंद उत्पाद के लिए 40-50% के बीच और बीओसी में हुए आयातों के लिए 15-25% के बीच रही थी।

65. कम कीमत पर बिक्री के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से आयातों के भारित औसत पहुँच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के साथ की गई है। भारित औसत कम कीमत पर बिक्री जांच अवधि के दौरान 50-60% के बीच रही थी।

iii) पाटित आयातों का कीमत ह्रासकारी और न्यूनकारी प्रभाव

66. पाटित आयातों के कीमत ह्रासकारी प्रभाव की जांच भी उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति तथा संबद्ध देशों से पहुँच मूल्य के संदर्भ में की गई है।

67. उत्पादन लागत की प्रवृत्ति से यह पता चलता है कि क्षति अवधि के दौरान बिक्री की भारित औसत लागत में 8.27 रुपए/नग की गिरावट आई है जबकि इसी अवधि के दौरान बिक्री कीमत में 35.56 रु./नग की गिरावट आई है जिससे यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग पाटित आयातों के कारण कीमत कम करने के लिए भारी दबाव में था।

ब.5 क्षति संबंधी अन्य मापदण्डों की जांच

68. घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा आयातों की मात्रा एवं मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री और विभिन्न खण्डों के बाजार हिस्से के साथ माँग की पद्धति की जांच पूर्ववर्ती भाग में किए जाने के बाद घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मौजूदगी को दर्शाने वाले अन्य आर्थिक मापदण्डों का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है :

लाभ तथा नकदी प्रवाह पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
बिक्री (एनएसआर)	रु./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	33	19	17
बिक्री की लागत	रु./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	60	54	50
कर पूर्व लाभ	रु./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	17	(3)	(4)
व्याज पूर्व लाभ	रु./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	942	(189)	(2,100)
अनुदान	रु./नग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	27	9	9
कर पूर्व कुल लाभ	रु./लाख	***	***	***	***
व्याज पूर्व कुल लाभ	रु./लाख	***	***	***	***
नकद लाभ	रु./नग	***	***	***	***

69. आंकड़ों से पता चलता है कि घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत में क्षति अवधि के दौरान काफी गिरावट आई है। तुलना हेतु वर्ष 2003-04 पर विचार करना उचित नहीं हो सकता है क्योंकि लागत असामान्य रूप से अधिक थी क्योंकि वह घरेलू उद्योग के उत्पादन का पहला वर्ष था। वर्ष 2004-05 से जांच अवधि तक परिवर्तन लागत और फॉलीकार्बोनेट से इतर कच्ची सामग्री की लागत में गिरावट के कारण बिक्री लागत में 1.58 रु./नग की गिरावट आई है। इसी अवधि के दौरान बिक्री कीमत में 7 रु./नग से अधिक की कमी आई है जिसमें बिक्री लागत की तुलना में बिक्री कीमत में अनुपातिक कमी होने का संकेत मिलता है। कर पूर्व लाभ में पूरी क्षति अवधि के दौरान सतत आधार पर गिरावट आई है। यद्यपि घरेलू उद्योग 2005-06 तक लाभ कमा रहा था तथापि उसके बाद उसे घाटा हुआ है। इसके अलावा बेची गई मात्रा हेतु कर पूर्व घाटे में जांच अवधि में काफी वृद्धि हुई थी।

निवेश पर आय

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	POI	जांच अवधि वर्षिकीकृत
नियोजित पूंजी (एनएफए)	लाख रु.	***	***	***	***	***
पीबीआईटी	लाख रु.	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	942	(189)	(1,680)	(1,680)
नियोजित पूंजी पर आमदनी	%	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	59	(7)	(19)	(19)

70. लगाई गई पूंजी की गणना रूप में की गई है और घरेलू विक्रियों हेतु लगाई गई पूंजी ज्ञात करने के लिए उन्हें घरेलू विक्री मात्रा से गुणा किया गया है। लगाई गई पूंजी पर आय संबंधी आंकड़े यह दर्शाते हैं कि क्षति अवधि के दौरान आय में काफी तेजी से गिरावट आई है। इसके अलावा यद्यपि 2004-05 तक उद्योग की आय सकारात्मक थी तथापि 2005-06 से घरेलू उद्योग नकारात्मक आय से नुकसान उठा रहा है।

रोजगार

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
कर्मचारी	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	127	159

71. घरेलू उद्योग की विनिर्माण सुविधा में संबद्ध वस्तु और इस जांच में नहीं शामिल अन्य उत्पादों दोनों का विनिर्माण होता है। कर्मचारियों की संख्या समग्र रूप से पूरे संयंत्र हेतु ली गई है। उपर्युक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या में 59% की वृद्धि हुई है।

उत्पादकता

72. विचाराधीन उत्पाद और अन्य उत्पादों के लिए विनिर्माण सुविधा साझी है और इसलिए यह माना गया है कि प्रति कर्मचारी उत्पादकता से घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में स्थिति उचित ढंग से प्रदर्शित नहीं होगी।

मालसूची

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
औसत मालसूची	लाख मग	***	***	***	***
प्रवृत्ति	इकाई	100	437	966	1,866

73. उपर्युक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि औसत मालसूची में अनेक वर्षों से काफी वृद्धि हुई है। तथापि दैनिक विक्री की संख्या के अनुसार मालसूची में आधार वर्ष से जांच अवधि में भारी कमी आई है।

वृद्धि

74. माँग में वृद्धि में आधार वर्ष से जांच अवधि तक वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। उत्पादन और बिक्री में वृद्धि सकारात्मक रही थी। तथापि लागत, बिक्री कीमत, लाभप्रदता और निवेश पर आय में नकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है।

निवेश

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने संबद्ध वस्तु और अन्य वस्तुओं हेतु क्षमता में वृद्धि करने के लिए नई पूंजी का निवेश किया था।

पाटन की मात्रा

76. उस सीमा तक जहाँ तक पाटित आयात घरेलू उद्योग की खति का कारण हो सकते हैं, के संबंध में पाटन की मात्रा यह दर्शाती है कि जांच अवधि के लिए नामित संबद्ध देशों के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है।

कीमत को प्रभावित करने वाले कारक

77. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान बिक्री लागत में गिरावट आई है। वर्ष 2004-05 से जांच अवधि तक बिक्री लागत में 1.58 रु./नग की गिरावट आई है। इस अवधि के दौरान सर्वप्रथम वर्ष 2005-06 में संबद्ध देशों से पहुँच मूल्य में गिरावट आई परन्तु जांच अवधि में इसमें वृद्धि हुई जो वर्ष 2004-05 में प्रचलित पहुँच मूल्य के स्तर पर पहुँच गया। इस अवधि के दौरान कीमत कटौती काफी अधिक बनी रही। तथापि जहाँ तक घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट का संबंध है, इस कीमत कटौती में वर्ष 2004-05 से जांच अवधि तक गिरावट आई। घरेलू तथा आयातित उत्पाद के बीच पर्याप्त कीमत अंतर के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट आई। घरेलू उद्योग निरंतर बिक्री कीमत में कमी करने के लिए बाध्य हुआ और कीमत में ऐसी गिरावट उत्पादन लागत से भी कम बनी रही।

च.6 क्षति मापदण्डों से संबंधित निष्कर्ष

78. संबद्ध देशों से जीवीडी के आयातों में समग्र रूप में और भारत में कुल आयातों की तुलना में वृद्धि हुई। कीमत प्रभाव के संबंध में यह पाया गया है कि आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में पर्याप्त कटौती हो रही थी। क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में पर्याप्त गिरावट आई। यद्यपि घरेलू उद्योग की बिक्री लागत में भी गिरावट आई तथापि बिक्री कीमत में गिरावट बिक्री लागत में आई गिरावट के अनुरूप नहीं रही। यह नोट किया गया है कि उत्पादन, बिक्री मात्रा, बाजार हिस्सा तथा मालसूची के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ। तथापि जांच अवधि में बिक्री कीमत, लाभ/हानि, निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में तेजी से गिरावट आई और उक्त अवधि में इसने घाटा उठाया।

79. उपर्युक्त आर्थिक मापदण्डों के विश्लेषण से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई थी।

च.7 अन्य ज्ञात कारण तथा कारणात्मक संबंध

80. प्राधिकारी ने नियमों में किए गए उपबंध के अनुसार कारणात्मक संबंध तथा अन्य कारणेतर कारकों के मुद्दे की भी जांच की है ताकि अन्य कारकों से क्षति, यदि कोई हुई हो, को अलग किया जा सके। इस संबंध में नियमों में यथानिर्धारित निम्नलिखित सांकेतिक कारकों की जांच की गई है।

i) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा और कीमत

81. जांच अवधि के दौरान गैर जांचाधीन देशों से आयात कुल आयातों के 20% रहे थे। कुछ देशों से हुए आयातों द्वारा भी घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती की जा रही थी। तथापि, एक देश को छोड़कर, जिसका हिस्सा कुल आयातों का 8.5% था, इन देशों से आयातों की मात्रा न्यूनतम रही थी। प्राधिकारी ने यह पाया कि अन्य देशों से आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती हो रही थी जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का भी कारण माना जा सकता है।

ii) माँग में कमी, खपत की पद्धति में परिवर्तन तथा प्रौद्योगिकी सुधार

82. प्रौद्योगिकी में आगे और विकास तथा बाजार में नए उत्पाद के कारण संबद्ध वस्तु की खपत पद्धति में इस उत्पाद के पक्ष में परिवर्तन हो रहा है। क्षति अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तु ने उल्लेखनीय वृद्धि प्रदर्शित की है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की कुल माँग में उल्लेखनीय वृद्धि प्रदर्शित हुई है।

iii) विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

83. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उद्योग में ऐसा कोई प्रतिबंधात्मक व्यवहार प्रचलन में नहीं है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सके।

iv) निर्यात निष्पादन

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
निर्यात बिक्री	लाख नग	501	2,022	5,813	9,806	7,845
प्रगति	सूचीबद्ध	100	403	1,120	1,565	1,565

84. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा में वृद्धि हो रही है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के लिए वित्तीय निष्पादन का विश्लेषण केवल घरेलू उद्योग के लिए किया गया है। अतः निर्यात निष्पादन में वृद्धि को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एक कारण नहीं माना जा सकता।

v) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

85. प्रति कर्मचारी उत्पादन के संबंध में घरेलू उद्योग की उत्पादकता का आकलन नहीं किया जा सकता क्योंकि संबद्ध वस्तु और जांच से इतर अन्य वस्तु का विनिर्माण एक समान विनिर्माण सुविधा के तहत किया जाता है।

86. ऐसा कोई अन्य कारक प्राधिकारी की जानकारी में नहीं आया है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संभावित कारण माना जा सके।

कारणात्मक संबंध

87. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2006-07 तक कीमत कटौती इतनी अधिक हुई थी जिससे घरेलू उद्योग कीमतें कम करने के लिए बाध्य हुआ था। यद्यपि जांच अवधि में औसत आयात कीमत में वृद्धि हुई थी तथापि मौजूदा कीमत कटौती की मात्रा के कारण घरेलू उद्योग कीमत में आगे और कमी करने के लिए बाध्य हुआ ताकि घरेलू तथा आयातित उत्पाद के बीच अंतर को पाटा जा सके और उच्चतर मात्रा में बिक्री की जा सके। आयात कीमत द्वारा कटौती के परिणामस्वरूप बिक्री कीमत में आई गिरावट से लाभ/हानि, निवेश पर आय तथा नकद प्रवाह के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में विकृति आई। यद्यपि घरेलू उद्योग कम मात्रा के बावजूद वर्ष 2003-04 तथा 2004-05 में लाभ कमा रहा था तथापि घरेलू उद्योग वर्ष 2005-06 में वित्तीय घाटे की स्थिति में पहुँचने के लिए बाध्य हुआ जो जांच अवधि में आगे और खराब हो गई। इस प्रकार लाभप्रदता, निवेश पर आय तथा नकदी प्रवाह में गिरावट संबद्ध देशों से पाटन के परिणामस्वरूप आई थी।

88. उपर्युक्त जांच के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु का आयात उसके सामान्य मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत तथा घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तु की औसत निवल बिक्री प्राप्ति से कम कीमत पर किया गया है और उससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है जिससे संबद्ध वस्तु के पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का पता चलता है।

घ. निष्कर्ष

89. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि :

- क. संबद्ध देशों से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- ग. यह क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है।

ज. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

90. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है और भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल करना है जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

झ. सिफारिशें

91. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरू कर उसकी सूचना समस्त हितबद्ध पार्टियों को दी गई और पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध के पहलू पर सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराने के लिए निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया। निर्धारित नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति की प्रारंभिक जांच शुरू करने और उसे सम्पन्न करने के बाद और संबद्ध देशों के खिलाफ सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा ऐसे पाटित

आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की अनंतिम रकम से पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह विचार है कि जांच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है।

92. अतः प्राधिकारी ऐसा आवश्यक समझते हुए संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे उल्लिखित स्वरूप और ढंग से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हैं।

93. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए वह पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार संबद्ध देशों के मूल की या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जानी वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	टैरिफ मद	माल का विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	8529	डिजिटल पर्सोनाल डिस्क रिकॉर्डर (कृपया नीचे टिप्पणी देखें)	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	कोई	कोई	3.08	प्रति नग	भा. रु.
2	वही	वही	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	कोई	कोई	3.08	प्रति नग	भा. रु.
3	वही	वही	संबद्ध देशों से इतर कोई देश	चीन जन. गण.	कोई	कोई	3.08	प्रति नग	भा. रु.
4	वही	वही	हांगकांग	हांगकांग	कोई	कोई	3.00	प्रति नग	भा. रु.
5	वही	वही	हांगकांग	हांगकांग से इतर कोई देश	कोई	कोई	3.00	प्रति नग	भा. रु.
6	वही	वही	संबद्ध देशों से इतर कोई देश	हांगकांग	कोई	कोई	3.00	प्रति नग	भा. रु.
7	वही	वही	ताइवान	ताइवान	कोई	कोई	2.98	प्रति नग	भा. रु.
8	वही	वही	ताइवान	ताइवान से इतर कोई देश	कोई	कोई	2.98	प्रति नग	भा. रु.
9	वही	वही	संबद्ध देशों से इतर कोई देश	ताइवान	कोई	कोई	2.98	प्रति नग	भा. रु.

टिप्पणी: वर्तमान बाधिका में विचारधीन उत्पाद सभी प्रकार की डिजिटल पर्सोनाल डिस्क रिकॉर्डर हैं। ऐसे उत्पाद में डीवीडी-आर डीवीडी + आर, डीवीडी-आरडब्ल्यू, डीवीडी + आरडब्ल्यू शामिल हो सकते हैं।

आगे की प्रक्रिया

94. प्रारम्भिक जांच परिणाम अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी :-
- क. प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियाँ आमंत्रित करेंगे जिन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है;
 - ख. प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे;
 - ग. प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व आवश्यक तथ्यों का प्रकटन करेंगे।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th June, 2008

Preliminary Findings

Subject : Preliminary findings of Anti-dumping investigations on imports of Digital Versatile Discs-Recordable (DVD-R and DVD-RW) from China PR, Hong Kong, and Chinese Taipei.

No. 14/17/2007-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof :

2. WHEREAS Optical Disc Manufacturers Welfare Association (ODMWA), New Delhi (herein after referred to as the Applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as this Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred as Rules), alleging dumping of Digital Versatile Discs Recordable (DVD-R and DVD-RW) (hereinafter referred to as subject goods), originating in or exported from the China PR, Hong Kong, and Chinese Taipei (herein after referred to as subject countries) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods. The embassies of subject countries were notified about the receipt of fully documented petition as per Rule-5(5).

3. And Whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 20th November, 2007 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in accordance with sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. General

4. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigations by the Authority:-

- a) The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 20.11.2007 to the Embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, importers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- b) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassies of subject countries in accordance with Rule 6(3) supra.
- c) The Embassies of the subject countries in New Delhi, were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters were also sent to Embassies of subject countries along with the names and addresses of the exporters.
- d) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information to the known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4). The Authority also sent questionnaire concerning Market Economy Treatment to exporters of China PR.
- e) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation and data received from DGCI&S have been relied upon in this findings;
- f) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- g) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the petitioner on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out provisionally so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- h) Investigation was carried out for the period starting from 1st April 2003 to 30th June 2007 (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the periods from April 2003-March 2004, April 2004-March 2005, April 2005-March 2006 and the POI.
- i) The confidentiality claims of domestic industry in respect of the data submitted by them have been examined. The data concerning costing, customers, prices have been treated as confidential. The information relating to volume of subject goods for the period of investigation has not been treated confidential.

- j) *** in this finding represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- k) In response to the above said notification none of the exporters from the subject countries filed their responses to questionnaire.
- l) The Govt. of Hong Kong, Special Administrative Division (HKSARG) has submitted information. The information, to the extent possible has been relied upon in the findings. M/s Allied Electronics & Magnetic Ltd., New Delhi has submitted information as an importer. The information has been relied upon in the findings. Other exporters and importers who have not submitted information are being treated as non-cooperating exporters and importers.

B. Product under Consideration

5. The product under consideration in the present petition is Recordable Digital Versatile Disc [DVD] of all kinds. DVD can be of a number of types, such as DVD-R, DVD+R, DVD-RW, DVD+RW, mini DVD-R, mini DVD-RW, mini DVD+R, mini DVD+RW, DVD+R DL, DVD-R DL. A DVD can be recorded once or several times.

DISC CONSTRUCTION AND MANUFACTURING STEPS

Construction of DVD-R and DVD+R discs

6. DVD-R and DVD+R discs can be either single or double-sided. A single-sided (SS) disc is composed of a recording side and a dummy side while a double-sided (DS) disc consists of two recording sides. The recording side of a DVD-R and DVD+R disc is a sandwich of a number of layers.

Mastering : A process of forming a master for optical disks, generally referred to as "mastering", is where a nickel or the like metallic master, i.e., "stamper", is formed at its final step. A large number of optical disks are duplicated with use of the stamper as a mold in a succeeding molding process.

Moulding: First comes a polycarbonate plastic substrate containing a shallow spiral groove extending from the inside to the outside diameter of the disc.

Dye Coater: In this section an organic dye recording layer (AZO) is applied on blank substrate. This layer acts as recording layer. Dye is applied using spin coating and the metal layers by means of DC sputtering.

Sputter (Metallizing): A metal reflective layer is applied on disc (silver).

Bonding: An adhesive then bonds two recording sides (for a double-sided) or a recording and dummy side (for a single-sided) together into the final disc. Some single-sided discs are also topped on the dummy side with decorations or additional layers that provide surfaces suitable for labeling by inkjet, thermal transfer or re-transfer printers. Bonding is done by using a hot melt, UV cationic or free radical process

Printing: Then required printing design is applied by screen printing method.

Construction of DVD-RW and DVD+RW: To allow information to not only be written but also re-written many times over, DVD-RW, DVD+RW disc construction is more complex than that of DVD-R and DVD+R (recordable). Just like a recordable disc, a rewritable disc can be either single or double-sided. The recording side of a rewritable disc also uses multiple layers beginning with a polycarbonate plastic substrate containing a shallow spiral groove extending from the inside to the outside diameter of the disc.

7. Next comes a dielectric layer (zinc sulfide and silicon dioxide), followed by a phase-change alloy recording layer (either indium, silver, tellurium and antimony or germanium, tellurium and antimony), another dielectric layer and a metal reflective layer (silver, silver alloy, aluminum). Additional layers may also be incorporated above or below the dielectric layers (germanium nitride, silicon carbide, silicon dioxide, silicon nitride, zinc sulfide, antimony telluride and others).

8. The dummy side consists of a flat polycarbonate plastic substrate sometimes with an additional metal layer. An adhesive then bonds the sides together into a single disc.

9. The product is classified under ITC (HS) and Customs Classification No. 8523. The product is import of the subject products is being made under Chapter 8523 of the Customs Classification with the following subheading:

85232920, 85232960, 85232970, 85234040, 85234050, 85234080, 85234080, 8523409, 85238090, 85238290, 85238050, 85239010, 85239040, 85239050 and 85239090.

However the above classification is indicative only and is no way binding on the investigation.

C. Like Article

10. The domestic industry manufactures 'DVD', which is identical to the product under consideration. The goods originating in or exported from the subject countries and produced by the domestic industry are comparable in terms of physical & technical characteristics, functions and uses. The two are technically and commercially substitutable. Therefore, for the purpose of the present investigation, Digital Versatile Disc produced by the domestic industry is being treated as like article to Digital Versatile Disc imported from subject countries within the meaning of the Anti Dumping Rules.

D. Standing of the Domestic Industry and Initiation of the Investigation

11. The application has been filed by Optical Disc Manufacturers Welfare Association, New Delhi, (ODMA) on behalf of the domestic industry. There are three producers of the subject goods in India who are also members of ODMA. Moserbaer Ltd. one of the producers of the subject goods has provided the relevant information. The applicant has support of producers accounting for substantial domestic production of the subject goods in India, therefore, has decided to file the application. Further, production of Moser Baer who has provided the information, is above 80% of the Indian production, therefore, constitutes the industry within the meaning of the Rules.

Submission made by interested parties**Submission made by The Govt. of Hong Kong Special administrative division (HKSARG) .**

12. 'No exporter from Hong Kong has responded to the investigation. However, Hong Kong Special Administrative Division (HKSARG) has made the following submissions:-

13. Names of the exporters provided in the petition are incorrect . It has also been pointed out that the existence of actual Hong Kong producers exporting DVD R to India appears to be questionable. The HKSARG disputes that "Hong Kong producers have actually exported to India the shipment listed in the Impex Table (annexure 1.5)". However, the HKSARG has provided information procured from **Optical Disc Manufacturing and Technology Association (ODMTA)** in respect of Normal value and export price to market other than India of the Hong Kong DVD R industry. It has also been stated that the information collected from DVD industry in Hong Kong and has been thoroughly verified by ODMTA for submission. It has further been stated that the objective to file the submission is to provide the Authority reliable and accurate information on cost and prices in Hong Kong for determination of Normal value and Export price.

14. The average raw material cost of polycarbonates in Hong Kong is 37% cheaper than the alleged cost as set out in the petition document. The cost of polycarbonates in Hong Kong should be the lowest among the three economies, contrary to the allegation of the petitioner that the cost is the highest in Hong Kong.

15. It has been stated that they have been given to understand that import data in Annexure 1.5 very likely cover "Grade B" products, which are DVD-R being rejected during the quality control process and hence their price is substantially lower than the normal products. Such rejected or substandard goods cannot be considered as a like product of DVD-R meeting the international quality standards and should therefore be dealt with separately. If necessary, ODMTA can provide the normal value of the substandard Grade B products separately, which would be a great deal lower than the normal value of the normal DVD-R products. It has been stated that they understand from ODMTA that certain discount in price is possible in case a buyer purchases a very large quantity. This is normal business practice and applies to both export and local sale without any discrimination.

16. The domestic industry improved in terms of everything including capacity utilization, production, market share, productivity, employment, wages etc., except profit. It has been reiterated that the domestic industry performed well both in the Period of Investigation and in years preceding it, and there is no conclusive evidence of injury. Moser Baer is the number one optical media manufacturer in the Indian market and among the top three media manufacturers in the world. Moser Baer is enjoying a good profitability rather than suffering losses.

17. Even in the unlikely event that there is dumping, imports from Hong Kong cannot be the cause of the alleged injury. The real cause for any alleged injury, even

if there is any, would be the declining price in DVD-Rs both in India and elsewhere in the world, due to the declining price trend on a global basis.

18. It has been requested that any Hong Kong exporters which may be identified after the presentation, as well as other interested parties including HKSARG and ODMTA, be given a reasonable amount of time for completion of questionnaire and submission of further representations.

Response by M/s Allied Electronics & Magnetic Ltd. (Importer)

19. Some of the large manufacturers of this product, internationally and also in India (only one manufacturer) are viably selling the product in international and Indian Market at low prices, because they enjoy the benefit of production volumes.

20. Amkette has been importing the DVDRs at higher average prices than what has been mentioned in the petition.

21. Some importers may import the products at lower cost than international price, using under hand practices. But this is the area of Customs Department to determine if there is any under valuation. Customs department has the right to impose penalty/ additional duties, wherever it is felt that prices are unjustifiably low.

22. DVDRs are available in open international markets at the price ranging from 12 US cents to 16 US cents in market economy countries such as Taiwan or Hong Kong or USA. Price information is in public in public domain and can be easily accessible on internet etc.

23. There is only one major manufacturer in India for DVDRs, having market share in excess of 80% and hence it is not correct to say that price levels in India are in reasonable proportion to production cost and market situation.

24. Import prices from countries other than countries under investigation are higher as imports from these countries also include DVDRs in different packaging such as Jewel case, 10 PK etc.

25. No separate data/ cost details / pricing information in respect of DVD-RW & Mini DVD-RW has been submitted in the petition.

26. In the data submitted by the petitioner, no prima-facie evidence of dumping of DVDRWs and mini DVDRWs has been submitted which establishes injury to the domestic industry. All data submitted by the petitioners such as import data, prices, dumping, margins as also the production capacity etc. are pertaining to DVDRs.

27. In the initiation notification it has been mentioned that there are three producers of the subject goods in India. M/S- Moserbaer, M/s- Euro Multivision and M/S- Computer Skill. This is not correct as far as DVDRW is concerned.

28. All the argument of the petitioner in their application to establish the injury and causal link are based on volume and value of dumped imports, only for DVDRs.

Hence to include DVDRWs and Mini DVDRWs for anti dumping investigation is not justifiable.

Examination by the Authority

29. The Authority has taken note of the arguments of the HKSARG and Amkette. HKSARG has provided estimated cost of production without any back up evidence. Authority has however, relied on the data available on public domain in respect of prices of raw materials. Concerning utilities the data provided by HKSARG has been relied upon. The other information provided by HKSARG would be relied upon only if the same is offered for verification from actual manufacturers of subject goods from their books of accounts.

30. In respect of the submissions concerning injury to the domestic industry the Authority has relied on the verified data of the domestic industry for analyzing injury to the domestic industry.

E. Methodology for calculation of dumping margin

E.1 Normal Value

Normal Value for non co-operating exporters from China PR.

31. No exporters from China PR has responded to the Initiation Notification and provided any information about normal value and market economy treatment. The presumption of non market economy as per para 8 of Annexre-1 of the Rules remain un rebutted. The Authority, therefore, has constructed the normal value as per para 7 of the Annexure-1 by using method "on any other reasonable basis". For this purpose the price of major raw material, Polycarbonate has been taken from World Trade Atlas as average export price from China PR. Prices of other raw materials, consumption norms for the raw materials, utilities and conversion cost have been taken as that of the domestic industry in India. To this financial cost and profit @5% each has been added to construct the normal value. By this methodology, the normal value for China PR has been determined as below.

Value in US\$ per'000 Pcs.		
Normal value	Cake box	BOS
DVD-R	***	***
DVD-RW		***

Normal Value for non co-operating exporters from Hong Kong.

32. No exporters from Hong Kong has responded to the Initiation Notification and provided any information about normal value. In absence of the co-operation from exporters the Authority has constructed normal value on the basis of facts available as per Rule-6(8). HKSARG has provided information for the cost of production in Hong Kong without any backup documentary evidence. From the information provided the Authority has relied upon the prices in respect of utility. Price of major raw material, Polycarbonate has been taken from World Trade Atlas as average

export price from Hong Kong. Prices of other raw materials, consumption norms for the raw materials, utilities and conversion cost have been taken as that of the domestic industry in India. To this financial cost and profit @5% each has been added to construct the normal value. By this methodology, the normal value for Hong Kong has been determined as below.

Value in US\$ per 1000 Pcs.

Normal value	Jewel Case	Cake box	BOS
DVD-R	***	***	***
DVD-RW	***	***	***

Normal Value for non co-operating exporters from Chinese Taipei.

33. No exporters from Chinese Taipei has responded to the Initiation Notification and provided any information about normal value. In absence of the co-operation from exporters the Authority has constructed normal value on the basis of facts available as per Rule-6(8). For this purpose, the price of major raw material, Polycarbonate has been taken from World Trade Atlas as average export price from Chinese Taipei. Prices of utility has been taken as prevailing in Chinese Taipei. Prices of other raw materials, consumption norms for the raw materials and conversion cost have been taken as that of the domestic industry in India. To this financial cost and profit @5% each has been added to construct the normal value. By this methodology, the normal value for Chinese Taipei has been determined as below.

Value in US\$ per 1000 Pcs.

Normal value	Jewel Case	Cake box	BOS
DVD-R	***	***	***
DVD-RW	***	***	***

E.2 Export price

Export price for non co-operating exporters from China PR

34. As no exporters from China PR has co-operated, therefore the export price has been determined on the basis of facts available as per Rule-6(2). For this purpose, the Authority has relied upon the transaction wise imports data procured from DGCI&S. It has been observed that the DVD R and DVD RW have been imported in different packages. The weighted average export price has been determined separately for different packing by segregating data of the DVD R and DVD RW.

35. To determine ex-factory export price, expenses on account of Ocean freight, Marine insurance, port expenses (@ 0.25%) and inland freight (@0.25%) have been adjusted. For ocean freight and marine insurance the information provided by the co-operating importer has been relied upon. By this methodology, the ex-factory export price has been determined as under.

Value in US\$ per 1000 Pcs.

Ex-factory export price	Cake box	BOS
DVD-R	***	***
DVD-RW	***	***

Export price for non co-operating exporters from Hong Kong.

36. As no exporters from Hong Kong has co-operated , therefore the export price has been determined on the basis of facts available as per Rule-6(8). For this purpose, the Authority has relied upon the transaction wise imports data procured from DGCI&S. It has been observed that the DVD R and DVD RW have been imported in different packages. The weighted average export price has been determined separately for different packing by segregating data of the DVD R and DVD RW.

37. To determine ex factory export price, expenses on account of Ocean freight, Marine insurance, port expenses (@ 0.25%) and inland freight (@0.25%) have been adjusted . For ocean freight and marine insurance the information provided by the co-operating importer has been relied upon. By this methodology the ex-factory export price has been determined as under.

Value in US\$ per'000 Pcs.			
Ex-factory export price	Jewel case	Cake box	BOS
DVD-R		***	***
DVD-RW	***		

Export price for non co-operating exporters from Chinese Taipei.

38. As no exporters from Chinese Taipei has co-operated , therefore the export price has been determined on the basis of facts available as per Rule-6(8). For this purpose, the Authority has relied upon the transaction wise imports data procured from DGCI&S. It has been observed that the DVD R and DVD RW have been imported in different packages . The weighted average export price has been determined separately for different packing by segregating data of the DVD R and DVD RW.

39. To determine ex factory export price, expenses on account of Ocean freight, Marine insurance, port expenses (@ 0.25%) and inland freight (@0.25%) have been adjusted . For ocean freight and marine insurance the information provided by the co-operating importer has been relied upon. By this methodology the ex-factory export price has been determined as under.

Value in US\$ per'000 Pcs.			
Ex-factory export price	Jewel case	Cake box	BOS
DVD-R	***	***	***
DVD-RW	***	***	***

E.3 Dumping Margin

40. On the basis of normal values and export prices as determined above, the dumping margins are determined as per table below: -

China PR

Value in US\$ per'000 Pcs.

	DVD R		DVD RW	Weighted average
	Cake box	BOS	BOS	
Normal Value	***	***	***	***
Export Price	***	***	***	***
Dumping Margin	***	***	***	***
Dumping Margin(%)	***	***	***	64.72

Hong Kong

Value in US\$ per'000 Pcs.

	DVD R		DVD RW	Weighted average
	Cake box	BOS	Jewel Case	
Normal Value	***	***	***	***
Export Price	***	***	***	***
Dumping Margin	***	***	***	***
Dumping Margin(%)	***	***	***	63.21

Chinese Taipei

Value in US\$ per'000 Pcs.

	DVD R			DVD RW			Weighted average
	Jewel Case	Cake box	BOS	Jewel Case	Cake box	BOS	
Normal Value	***	***	***	***	***	***	***
Export Price	***	***	***	***	***	***	***
Dumping Margin	***	***	***	***	***	***	***
Dumping Margin(%)	***	***	***	***	***	***	63.75

41. The dumping margins so determined provisionally are significant and above de minimis level.

F. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINKS

F.1 Injury Determination

42. For the purpose of injury analysis the entire imports from the subject countries have been treated as dumped imports.

Submissions by the Domestic Industry

43. The domestic industry has raised the following arguments:

- (a) Imports of the product under consideration have significantly increased in absolute terms and in relation to production in India.
- (b) The average imports per month increased significantly even within the *proposed period* of investigation.
- (c) The imports are significantly undercutting the prices of domestic industry. Resultantly, imports were depressing the prices of the domestic industry in the market.
- (d) Even though capacity, production and sales increased over the period, the increase in these parameters was a result of significant increase in demand anticipated earlier for the product. However, the domestic industry lost market share.
- (e) Profitability of the domestic industry has significantly declined over the period because of significant price pressure created by the imports.
- (f) Return on investment and cash flow have also deteriorated significantly over the period. The domestic industry is faced with negative return.
- (g) Inventories with the domestic industry have increased significantly.
- (h) Injury to the domestic industry is being caused by the dumped imports considering that the only reason for reduction in selling price is the decline in import prices.

Examination by the Authority

44. The Authority has noted the views expressed by the domestic industry and examined the mandatory factors for the purpose of provisional injury determination and causal link analysis in these findings.

F.2 Cumulative assessment of injury

45. The Annexure II (iii) of the Anti Dumping Rules requires that where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that

- (a) The volume of imports from individual countries are above de minimis;
- (b) The dumping margin against individual countries is above 2%; and
- (c) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles

46. The Authority notes that the dumped imports are entering the Indian market simultaneously from several countries, including the subject countries. Therefore, the issue of cumulative assessment of the injury caused to the domestic industry due to

of dumped imports from these countries has been examined with respect to the absolute terms of relative to production or consumption in India. It has been observed that there has been a significant increase in the volume of dumped imports from these countries in the period under consideration. The margins of dumping of individual products from each of the subject countries are more than the de minimis limit of 2% from DGCIS data. The volume of imports of individual products from each of the subject countries is more than the de minimis limit of 3% from DGCIS data. It was observed that the margins of dumping of individual products from the subject countries are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. DGCIS data procured from injury analysis data procured from DGCIS data procured from DGCIS data has been observed that imports of DVD R constitutes bulk of imports. It has also been observed that the Authority holds that cumulative assessment of injury is appropriate in this case as the exports of individual products from the subject countries are directly competing amongst themselves as well as with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market. Volume of imports of DVD R analysed as under

F.3 Examination of Injury and Causal Link

48. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure -II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is to be considered whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

49. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

50. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization, sales volume etc. have been examined as

Consumption	Production	Other countries	Subject countries	Imports from India
22.54	7.13	3.12	22.82	22.82
70.81	2.11	2.11	22.82	22.82
61.32	8.37	0.00	22.82	22.82
30.91	4.25	0.00	22.82	22.82
30.91	4.25	0.00	22.82	22.82

F.4 Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares

51. The data shows imports from subject countries increased from 48.27 lac in 2003-04 to 437.29 lac during POI (unvalued) indicating share of imports in the market has increased.

a) Import Volumes

51. DVD is specifically is imposable under Customs Tariff Head 8528 40 80. The transaction value data of imports from India as provided by the authorities and DGCIS as procured by the authority, shows that the imports have been made under different custom tariff heads. Data from DGCIS has been relied upon for analysis.

consumption it has declined from base year to POI

52. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

53. For the purpose of injury analysis the Authority has relied on transaction wise import data procured from DGCIS. At the time of initiation the data provided by the applicant procured from Impex Statistics was relied upon. On receipt of data from DGCIS it was observed that the imports were significantly higher than that was reported in the Impex Statistics. Therefore for the purpose of this investigation and injury analysis data procured from DGCIS has been relied upon. From the data it has been observed that imports of DVD R constitutes bulk of imports. It has also been observed that imports were made in various packing i.e. Jewel case, Cake box and BOS. However, main imports were in pack of BOS.

54. Volume of imports of the subject goods from the subject countries have been analysed as under:-

Import Volumes and share of subject country

	Units	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
Imports						
China PR	Lac.Pcs	1.30	9.28	150.94	254.62	203.69
Hong Kong	Lac.Pcs	-	19.22	33.89	80.97	64.77
Taiwan	Lac.Pcs	47.97	100.32	224.77	211.41	189.13
Other countries	Lac.Pcs	1.80	6.93	26.14	138.19	110.55
Subject Countries	Lac.Pcs	49.27	128.82	409.60	546.99	437.59
Trend	Indexed	100	261	831	888	888
Total Imports	Lac.Pcs	50.88	135.76	435.74	685.18	548.15
Trend	Indexed	100	267	866	1,077	1,077
Market Share in Imports						
China PR	%	2.58	6.84	34.84	37.16	37.16
Hong Kong	%	-	14.16	7.78	11.82	11.82
Taiwan	%	94.29	73.90	51.58	30.85	30.85
Other countries	%	3.15	5.11	6.00	20.17	20.17
Subject Countries	%	96.85	94.89	94.00	79.83	79.83
Imports in relation to						
Production	%	7.13	5.11	6.37	4.52	4.52
Consumption	%	95.24	70.81	61.35	30.91	30.91

55. The data shows imports from subject countries increased from 49.27 lacs in 2003-04 to 437.59 lacs during POI(annualised) indicating sharp increase in imports during POI as compared to base year. Import data shows that imports mainly constitutes DVD-R. Imports of DVD-RW was in the range of 5% of the total imports. It has also been observed that imports of DVD was made in different packed forms. However, mainly imports constitutes DVD in bulk package which was 87% of the total imports. The other packages were in Jewel pack and cake box. It has been observed that imports have increased in absolute term, however, in relation to production and consumption it has declined from base year to POI.

b) Demand, Output and Market shares

i) Growth In Demand

Demand	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
Domestic Industry	Lac Pcs	0.86	46.16	212.70	1,081.85	849.32
Total Imports	Lac Pcs	50.68	135.76	435.74	685.18	598.15
Other Indian producer	Lac Pcs	-	-	19.17	23.08	16.45
Total Demand	Lac Pcs	51.74	181.92	667.61	1,789.89	1,415.92

56. Demand of subject goods has been determined by addition of domestic sales of Indian Industry and imports from all countries. From the data, trend indicates that demand for the subject goods had been growing from base year to POI. The product itself is of a recent origin hence the demand for the product is increasing rapidly.

ii) Production of the Domestic Industry

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
Capacity	Lac.Pcs	1,400	4,800	9,885	15,523	12,418.34
Trend	Indexed	100	343	706	887	887
Production	Lac.Pcs	691	2,521	6,435	12,097	9,677.76
Trend	Indexed	100	365	931	1,400	1,400
Capacity Utilisation	%	49.38	52.51	65.10	77.93	77.93
Trend	Indexed	100	106	132	158	158

57. The above data shows that capacity, production and capacity utilisation of the domestic industry has increased from base year to POI.

iii) Sales of Domestic Industry

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
Domestic Industry	Lac Pcs.	0.86	46.16	212.70	1,081.85	849.32
Export Sales	Lac Pcs.	501.40	2,022.00	5,613.17	9,805.99	7,844.78

58. The data on sales indicates that the domestic Industry sold 0.86 Lac.Pcs. of subject goods during 2003-04 and the same increased to 849.32 Lac.Pcs. during annualised POI. The sale of domestic industry has been increasing throughout the injury period.

iv) Demand and Market Share

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
Assessed Demand	Lac.Pcs	51.74	181.92	667.61	1,789.89	1,415.92
Trend	Indexed	100	352	1,289	2,737	2,737

Imports from Subject Countries	Lac.Pcs	49.27	128.82	468.60	546.99	437.59
Imports from Other Countries	Lac.Pcs	1.60	6.93	26.14	138.19	110.55
Sales of Domestic Industry	Lac.Pcs	0.88	46.16	212.70	1,061.65	849.32
Sales of other Indian producers	Lac.Pcs	-	-	19.17	23.06	18.45
Market Share in Demand						
Imports from Subject Countries	%	95.24	70.81	61.35	30.91	30.91
Imports from Other Countries	%	3.10	3.81	3.92	7.81	7.81
Sales of Domestic Industry	%	1.67	25.37	31.86	59.98	59.98
Sales of other Indian producers	%	-	-	2.87	1.30	1.30
Selling price of the domestic industry	Rs/PC	***	***	***	***	***

59. The demand of subject goods has shown rising trend. From 51.74 lac pieces in the base year, the demand increased to 1416 lac pieces in POI (annualized). During the same period, market share of the domestic industry increased from 1.67% to 59.98%. Whereas the share of the subject countries declined from 95% to 31%. Further, the market share of the imports has declined, whereas that of domestic industry has increased. It has been observed that from base year to POI the selling price of the domestic industry declined steeply.

(c) **Price Effect of the Dumped Imports from subject countries on the Domestic Industry**

(i) **Evaluation of price over period under consideration**

Export Price	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Subject Countries	Rs./Pc	5.24	4.70	3.94	4.89
Trend	Indexed	100	90	75	93
Selling Price	Rs./Pc	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	33	19	17
Polycarbonate prices	Rs/KG	79.08	87.53	128.55	127.09
Raw materials cost	Rs./Pc	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	85	118	90

*World Trade Atlas data.

60. The data on export price shows that prices from subject countries have declined from base year to POI. It has been observed from the data in the World Trade Atlas that during the same period, price of the major raw material i.e. polycarbonate has increased in the subject countries. Even if it is considered that the prices in 2003-04 were quite high because of introductory phase, it is found that the

prices declined steeply even between 2004-05 and 2005-06. Further, even between investigation period and preceding year, the prices declined significantly.

(ii) Price undercutting and underselling effects

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Selling price-DI					
DVD-R	Rs/ Pcs	***	***	***	***
DVD-RW	Rs/ Pcs	***	***	***	***
DVD(R & RW)	Rs/ Pcs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	33	19	17
Landed value					
DVD-R	Rs/ Pcs	5.70	4.44	3.94	4.80
DVD-RW	Rs/ Pcs	8.42	8.12	4.21	6.52
DVD(R & RW)	Rs/ Pcs	5.71	4.89	3.94	4.89
Trend	Indexed	100	86	69	86
Price Undercutting					
DVD-R	Rs/ Pcs	***	***	***	***
DVD-RW	Rs/ Pcs	***	***	***	***
DVD(R & RW)	Rs/ Pcs	***	***	***	***
Price Undercutting					
DVD-R	%	***	***	***	***
DVD-RW	%	***	***	***	***
DVD(R & RW)	%	***	***	***	***
NIP	Rs/ Pcs.				***
Price underselling	Rs/ Pcs.				***
Cost of production	Rs/ Pcs.	***	***	***	***

61. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the Domestic Industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

62. In determining the weighted net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated.

63. The trend of selling price indicates that it declined to 33 in 2004-05, and 17 in POI as compared to base year (indexed 100).

64. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject countries over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose, imports have been segregated in packed form

and bulk form. The landed value of imports has been calculated by adding (for the relevant years) 1% handling charge and applicable basic customs duty as applicable to the value reported in the DGCI&S data of import prices from the subject countries. The weighted average undercutting from subject countries during POI was in the range of 40-50% for packed product and 15-25% for imports in BOC.

65. For the purpose of price underselling determination the weighted average landed prices of imports from subject countries have been compared with the non-injurious price of the domestic industry determined for the POI. The weighted average underselling was in the range of 50-80% during POI.

(iii) Price suppression and depression effects of the dumped imports:

66. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject countries.

67. The trend of cost of production shows that weighted average cost of sale declined by Rs.8.27/pc over injury period, whereas selling price declined by Rs.35.56/pc during the same period indicating that the domestic industry was under tremendous pressure to reduce the prices because of dumped imports.

F.5 Examination of other Injury Parameters

68. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analyzed hereunder as follows:

Profits and actual and potential effects on the cash flow

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Sales (NSR)	Rs./Pcs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	33	19	17
Cost of Sales	Rs./Pcs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	60	54	50
Profit before tax	Rs./Pcs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	17	(3)	(4)
Profits before interest	Rs./lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	942	(189)	(2,100)
Contribution	Rs./Pcs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	27	9	9
Total Profit before tax	Rs./lacs	***	***	***	***
Total Profit before interest	Rs./lacs	***	***	***	***
Cash profit	Rs./pc	***	***	***	***

69. The data shows that cost of sales of the domestic industry increased significantly over the injury period. It is not appropriate to consider 2003-04 for comparison as cost was unusually high because it was first production year of the domestic industry. From 2004-05 to POI, the cost of sales declined by Rs. 3.68/pc due to declining conversion cost and of raw materials other than polycarbonate. During the same period, the selling price declined by more than Rs. 7/pc indicating disproportionate reduction in selling price as compared to cost of sales. The profit before tax declined on consistent basis throughout the injury period. While the domestic industry was earning profits till 2005-06, it suffered losses thereafter. Further, loss before tax for the quantities sold increased significantly in the investigation period.

Growth

Return on investment The growth in demand shows positive trend from base year basis. The growth in production and sales were positive. However, cost selling

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI, ongoing Annualised
Capital Employed (NFA)	Rs. Lacs	***	***	***	***	***
EBIT	Rs. Lacs	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	942	(189)	(1,680)	(1,680)
Return on capital employed	%	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	59	(7)	(9)	(19)

70. Capital employed has been calculated per unit of production and then the same is multiplied in to domestic sales volume in order to arrive at the capital employed for domestic sales. The data on return on capital employed shows that return declined very steeply over the injury period. Further, whereas the industry was having positive return till 2004-05, the domestic industry is suffering negative return from 2005-06.

Employment The data on employment shows that the domestic industry shows that the dumping margin increased during the POI reaching to the level of landed value as that was being in 2004-05. The undercutting during the period remained significant. With the

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Employees	No.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	118	123	159

71. The manufacturing facility of the domestic industry manufactures both subject goods and other products not covered in this investigation. The number of employees has been taken for plant as a whole. The above data shows that number of employees has increased by 59% during POI as compared to base year.

Productivity The data on productivity shows that the domestic industry shows that the dumping margin increased during the POI reaching to the level of landed value as that was being in 2004-05. The undercutting during the period remained significant. With the

72. The manufacturing facility is common for product under consideration and other products and therefore, it is considered that productivity per employee would not appropriately reflect the position with regard to injury to the domestic industry.

However, market share and inventory. However, performance of the domestic industry improved in terms of production, sales

Inventories

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Average Inventory	Lac Pcs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	437	966	1,868

73. The above data shows that the average inventory increased significantly over the years. However, in terms of number of days sales, the inventory declined significantly from base year to POI.

Growth

74. The growth in demand shows positive trend from base year to POI on year-to-year basis. The growth in production and sales were positive. However, cost, selling price, profitability and return on investment shows negative trend.

Investment

75. The Authority notes that the domestic industry had infused fresh capital to increase the capacity for subject goods and other goods during the injury period.

Magnitude of Dumping

76. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined against the subject countries named, for the POI, are significant.

Factors affecting prices

77. The Authority notes that the cost of sales declined during the injury period. From 2004-05 to POI, the cost of sales declined by Rs.1.58/pc. The landed value from subject countries during this period first declined in 2005-06, however, it increased during the POI reaching to the level of landed value as that was prevailing in 2004-05. The undercutting during the period remained significant. With the declining selling price of the domestic industry, however, the undercutting declined from 2004-05 to POI. Significant price difference between the domestic and imported product resulted in decline in the selling price by the domestic industry. The domestic industry was forced to reduce selling prices continuously and such price declines continued even below the cost of production.

F.6 Conclusion on injury parameters

78. Imports of DVD from subject countries increased significantly in absolute terms and in relation to total imports in India. With regard to price effect, it is found that imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. Selling price of the domestic industry declined significantly over the injury period. Even though cost of sales of the domestic industry also declined, decline in selling price was disproportionate to the decline in cost of sales. It has been noted that performance of the domestic industry improved in terms of production, sales volumes, market share and inventory. However, performance of the domestic

industry deteriorated sharply in terms of selling prices, profit/loss, return on investment and from the position of profit it went to loss in the POI.

79. The analysis of above economic parameters indicates that the domestic industry has suffered material injury.

F.7 Other Known factors and Causal Link

80. The Authority has also examined the issue of causal link and other non-attribution factors as laid down in the Rules to segregate injury if any caused by other factors. In this regard the following indicative factors as laid down in the Rules have been examined.

i) Volume and prices of imports from other sources

81. During POI, imports from countries not under investigation constitute 20% of the total imports. The imports from some countries were also undercutting the selling price of the domestic industry. However, quantity of imports from those countries were *de minimis* except in respect of one country which had a share of 8.5% of the total imports. The Authority observed that imports from other countries undercutting the selling price of the domestic industry may also be contributing to the injury to the domestic industry.

ii) Contraction in demand, change in pattern of consumption and Development of technology

82. Because of development of further technology and new product in the market, the consumption pattern of the subject goods is undergoing change in favour of this product. In India the subject goods have shown robust growth during the injury period. The total demands of subject goods have shown robust growth during Period of Investigation as compared to the base year.

iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

83. The Authority notes that there is no restricted practice prevalent in the industry which could be attributed to the injury to the domestic industry.

iv) Export performance

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI	POI Annualised
Export Sales	Lac Pcs.	501	2,022	5,613	9,808	7,845
Trend	Indexed	100	403	1,120	1,565	1,565

84. The Authority notes that the export volume of the domestic industry has been increasing. The Authority also notes that the analysis of financial performance for the injury period has been done for the domestic sales only. Therefore, increase in export performance cannot be considered as a factor causing injury to the domestic industry.

v) Productivity of the Domestic Industry

85. Productivity of the domestic industry in terms of production per employee could not be assessed as the subject goods and other goods not under investigation are manufactured under the same manufacturing facility.

86. No other factor, which could have possibly caused injury to the domestic industry, has come to the notice of the Authority.

Causal Link

87. The Authority notes that the price undercutting upto 2006-07 was too significant, forcing the domestic industry to reduce the prices. Even though the average import price increased in the investigation period, given the extent of existing price undercutting, the domestic industry was forced to reduce the prices further in order to bridge the gap between the domestic and imported product and sell higher volumes. The decline in the selling prices as a consequence of undercutting by the import prices lead to deterioration in the performance of the domestic industry in terms of profit/loss, return on investment and cash flow. Whereas the domestic industry was earning profits in 2003-04 and 2004-05 in spite of low volumes, the domestic industry was forced to a situation of financial losses in 2005-06, which increased further in the investigation period. Thus, the decline in profitability, return on investment and cash flow was a consequence of dumping from subject countries.

88. On the basis of the above examination it is concluded that the subject goods exported from the subject countries are at prices below their normal values, non injurious price of the domestic industry and the average net sales realization of the subject goods of the domestic industry, and have caused injury to the domestic industry indicating causal links between dumping of subject goods and injury to the domestic industry.

G. Conclusions

89. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- A. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value;
- B. The domestic industry has suffered material injury;
- C. The injury has been caused by the dumped imports from subject countries.

H. Indian industry's interest & other issues

90. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

1. Recommendations

91. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margins against the subject countries, as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation.

92. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

93. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in Column-8 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

Duty Table

S N	Tariff Item	Description Of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	8523	Digital Versatile Disc Recordable (See note below)	China PR	China PR	Any	Any	3.06	Per piece	INR
2	Do	Do	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	3.06	Per piece	INR
3	Do	Do	Any country other than subject countries	China PR	Any	Any	3.06	Per piece	INR
4	Do	Do	Hong Kong	Hong Kong	Any	Any	3.00	Per piece	INR
5	Do	Do	Hong Kong	Any country other than Hong Kong	Any	Any	3.00	Per piece	INR
6	Do	Do	Any country other than subject countries	Hong Kong	Any	Any	3.00	Per piece	INR
7	Do	Do	Taiwan	Taiwan	Any	Any	2.96	Per piece	INR
8	Do	Do	Taiwan	Any country other than Taiwan	Any	Any	2.96	Per piece	INR
9	Do	Do	Any country other than subject countries	Taiwan	Any	Any	2.96	Per piece	INR

Note:- The product under consideration in the present petition is Digital Versatile Disc Recordable of all kinds. Such product may include DVD-R, DVD+R, DVD-RW and DVD+RW.

J. Further Procedures

94. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings: -

- a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding. Interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- b) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- c) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

R. GOPALAN, Designated Authority